

एसआईआर के तीनों फैसले सर्वसम्मति से लिए गए, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कामकाज और कार्यशैली को चुनौती देने वाली याचिका के खिलाफ भारत निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में अपना काउंटर-पंक्तिडेविट यानी जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत में स्पष्ट किया कि यह पूरी याचिका महज एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर दाखिल की गई है और इसमें कोई कानूनी आधार नहीं है। आयोग ने बताया कि यह हलफनामा तीनों चुनाव आयुक्तों- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और चुनाव आयुक्त विवेक जोशी की सर्वसम्मति से मंजूर और दाखिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में चुनाव आयोग ने अपनी कार्यप्रणाली और फैसलों को लेकर कई अहम स्पष्टीकरण दिए हैं। आयोग



ने कहा कि जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026 में जारी किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के तीनों आदेश तीनों आयुक्तों की सर्वसम्मति से पारित हुए थे। आयोग ने साफ किया कि किसी फाइल के निस्तारण के दौरान CEC या चुनाव आयुक्तों की ओर से लिखे गए नोट, सुझाव या

अगर किसी अधिकारी ने सौंपे गए अधिकारों से बाहर जाकर कोई आदेश जारी किया है, तो उसके खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 पर जारी विवाद पर भी आयोग ने अपनी स्थिति साफ की। आयोग ने कहा कि फॉर्म 6 में कोई संशोधन नहीं किया गया है, क्योंकि इसे संशोधित करना अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। SIR घोषणापत्र एक अलग दस्तावेज है। आयोग ने माना कि ऑनलाइन पोर्टल के डिस्टले को फॉर्म 6 में संशोधन के रूप में समझा जा सकता था। इसलिए 21 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को फॉर्म 6 और डिजलैरेशन दो अलग हिस्सों में विभाजित कर दिया गया है, ताकि यह फिजिकल फॉर्म के अनुरूप हो सके

SIR प्रक्रिया के दौरान जिन मतदाताओं का मैपिंग नहीं हो सका, उन्हें व्यक्तिगत रूप से सुनवाई में आने की जरूरत नहीं है। बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) खुद उनके घर जाकर दस्तावेज हासिल करेंगे और सुनवाई केवल अपवाद की स्थिति में, वह भी ऑनलाइन की जाएगी।आयोग ने बताया कि ECINet पर बिना ERO के लिखित आदेश के किसी का नाम न जोड़ा जा सकता है और न ही हटाया जा सकता है। डेटा अनुपालन की जांच के लिए IITs और IISc के विशेषज्ञों की एक उच्चस्तरीय समिति बनाई गई है। मीडिया में चर्चित गोवा के 97 छूटे हुए वोटरों के मामले पर आयोग ने बताया कि इनमें से 88 लोगों को पहले ही वोटर लिस्ट में शामिल किया जा चुका है, 6 लोग विदेश में हैं और 3 के पास पुर्तगाली पासपोर्ट हैं। वहीं पश्चिम

महर्षि वाल्मीकि ने सामाजिक समरसता, समानता और संस्कारों का दिया सदेश-धनखड़



झज्जर। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन और उनकी अमर कृति रामायण हमें सत्य, धर्म, सदाचार एवं मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उनके विचार सामाजिक समरसता, समानता और संस्कारों के आदर्शों को सुदृढ़ करते हैं। पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ ने वाल्मीकि जयंती के पावन पर्व पर क्षेत्र के गांव लाडपुर में महर्षि वाल्मीकि जी के मंदिर के भूमि पूजन समारोह में यह बात कही। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जयंती की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हजारों वर्षों पहले उनके द्वारा लिखी गई रामायण की महत्ता बढ़ती ही जा रही है। रामायण में हमें त्याग और सेवा का संदेश देती है। जब भगवान श्रीराम को 14 वर्ष बनवास जाना पड़ा तो अपना सिंहासन छोटे भाई भरत को सौंप दिया। भरत ने भी अपने बड़े भाई राम की खड़ाऊ रखकर अपने राज्य की सेवा करता रहा। बनवास केवल राम को मिला था, लेकिन लक्ष्मण ने पूरे बनवास के दौरान अपने बड़े भाई राम की सेवा की। भाई के लिए

कही भी नहीं मिलेगा। ये सनातनी परम्परा है, जिस पर हमें गर्व है। धनखड़ ने कहा कि हमें अपने प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व है कि कानूनी अड़चनों को दूर कराते हुए लाखों करोड़ों सनातनियों की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का सपना साकार किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने द्वांचांगत विकास के साथ संस्कृति का भी विकास किया है।

गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री का जोरदार स्वागत किया। पूर्व मंत्री धनखड़ ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में निमंत्रण देने के लिए मंदिर समिति और ग्रामीणों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि,जिप चैयरमैन कसान बिरधाना,पूर्व चैयरमैन लीलू पहलवान,समिति प्रधान रवि,मंगल गुलिया, सीमा लाडपुर, डालूराम,गुरचरण,संजू मनीष बंसल, राहुल,कृष्ण,चांद ,संजू सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएचजेयू ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर पत्रकारों की मांगों बारे सौंपा ज्ञापन

चंडीगढ़। चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन (सीएचजेयू) ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर प्रदेश के पत्रकारों के केशलेस मेडिकल कार्ड जल्दी बनवाए जाने, पत्रकारों की पेंशन में बढ़ोतरी करने, प्रेस मान्यता नियमों व पत्रकार पेंशन नियमों को सरल बनाकर सभी पत्रकारों को मान्यता प्रदान करने, लघु एवं मीडियम समाचार पत्रों को नियमित रूप से विज्ञापन देने और पत्रकारों की निशुल्क बस सुविधा पर लगी किलोमीटर सीमा हटाने सहित पत्रकारों की अन्य सभी लंबित मांगों की जल्दी लागू करवाने की मांग की है। सीएचजेयू के प्रतिनिधिमंडल यूनियन के अध्यक्ष राम सिंह बराड़ व चैयरमैन बलवंत तक्षक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ मुख्यमंत्री आवास पर मुलाकात की और पत्रकारों की

लंबित मांगों बारे एक ज्ञापन सौंपा। चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन (सीएचजेयू) ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दिए ज्ञापन में कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश के पत्रकारों को कर्मचारियों की तरह केशलेस मेडिकल सुविधा देने का ऐलान किया था। अभी तक इस योजना को लागू नहीं किया गया और पत्रकारों को केशलेस मेडिकल कार्ड नहीं मिले हैं। सीएचजेयू ने मुख्यमंत्री से कहा कि प्रदेश के सभी पत्रकारों के केशलेस मेडिकल कार्ड जल्दी जारी करवाए जाएं। सीएचजेयू ने मुख्यमंत्री से यह भी आग्रह किया कि सांध्य दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक अखबारों के पत्रकारों को मान्यता कार्ड पहले की तरह जारी करवाए जाए और लघु एवं मीडियम समाचार पत्रों को पहले की तरह नियमित रूप से विज्ञापन दिए जाएं।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से मानवता को जीवन जीने का मार्ग दिखाया-नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण के माध्यम से संसार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों से परिचित कराया। उनकी रचना केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि युगों-युगों तक मानवता को जीवन जीने का मार्ग दिखाने वाली है। महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाएं हमें धैर्य, परिश्रम, अटूट विश्वास, करुणा, शिक्षा और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को संत महापुरुष प्रचार-प्रसार योजना के तहत संत कबीर कुटीर में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जी की राज्यस्तरीय जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिभा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को



प्रकाश पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिसार में निर्माणाधीन वाल्मीकि छात्रावास के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा भी की, साथ ही कहा कि शीघ्र ही छात्रावास के भूमि पूजन के अवसर पर वहां जाएंगे। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ऐसे महान संत थे, जिन्होंने अंधकार में ज्ञान का दीप जलाया। कठिन समय में माता सीता

को अपने आश्रम में स्थान देने के साथ-साथ उन्होंने उनके बच्चों को उच्च शिक्षा और संस्कार प्रदान किए। शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व को एक अलग पहचान मिली। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, व्यक्ति को धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए। भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनका राज्यभिषेक होना था, उस समय उन्हें बनवास जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़े। रामायण हमें संदेश देती है कि धैर्य, परिश्रम और अटूट विश्वास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने जाति से

गुरुग्राम की सड़कों को धूल-मिट्टी से मुक्त करें, नियमित हो पानी का छिड़काव राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़ - हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह ने नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सभी सड़कों को धूल-मिट्टी से मुक्त बनाया जाए। सड़कों की डीप वलीनिंग करवाने के साथ नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि धूल के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने, कचरा प्रबंधन में तेजी लाने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। उद्योग मंत्री सोमवार को गुरुग्राम के लोक निर्माण विभाग अधिका गृह में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, धंवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट के निस्तारण, सड़क सुधार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सड़कों पर जमा धूल-मिट्टी को हटाने के लिए नियमित रूप से विशेष सफाई अभियान चलाए



जाएँ। संबंधित अधिकारी डीप वलीनिंग और पानी के छिड़काव की नियमित निगरानी करें, ताकि इन कार्यों को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को प्रदूषण से राहत मिले। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं परिवहन के लिए पांच वर्ष की अवधि और दो वर्ष के विस्तार प्रावधान वाला दीर्घकालिक टेंडर आवंटित किया गया है। इसके तहत वलस्टर-1 में मेसर्स दिल्ली एमएसडब्ल्यू सॉल्यूशंस लिमिटेड और वलस्टर-2 में मेसर्स बीवीजी इंडिया लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों वलस्टरों में कुल 875 वाहनों की व्यवस्था की गई है, जिनमें 675 लाइट कर्माशियल वाहन (एलसीवी), 184 ई-

रिक्शा और 16 कॉम्पैक्टर शामिल हैं। वाहनों की तेजती 28 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है, जिसके पहले चरण में 100 वाहन उपलब्ध करए जाएंगे। बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 20 अक्टूबर 2026 तक कुल 58.50 लाख मीट्रिक टन कचरा प्राप्त हुआ है, जिनमें से 42.95 लाख मीट्रिक टन का निस्तारण किया जा चुका है। बैठक में सड़क सुधार एवं नागरिक शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। 24-अप्रैल वेलेंज के तहत प्राप्त 3,815 शिकायतों में से 3,041 का निस्तारण किया जा चुका था, जबकि 774 शिकायतें लंबित थीं। 100 रोड्स वेलेंज के तहत कार्य की भीतिक प्रगति 29.3 प्रतिशत और 10 आइकोनिक रोड्स परियोजना की प्रगति 35.8 प्रतिशत दर्ज की गई। इस अवसर पर निगमायुक्त प्रदीप दहिया, अतिरिक्त निगमायुक्त अकिता चौधरी, यश जालुका एवं रविन्द्र यादव, चीफ इंजीनियर विजय रावडा, संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह सहित नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनिल विज ने खड़गे के पुतले का किया दहन, बोले- राजनीति में भाषा और संस्कृति की मर्यादा जरूरी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सोमवार को अंबाला छावनी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने खड़गे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध करते समय भाषा और संस्कृति की मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विज ने कहा कि लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों को सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली की समीक्षा करने तथा उनका विरोध करने का अधिकार है। हालांकि, विरोध का भी एक स्तर और नैतिकता होती है। उन्होंने कांग्रेस से राजनीतिक मुद्दों को संस्कारपूर्ण तरीके से उठाने की नसीहत दी। अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने को लेकर की जाने वाली टिप्पणियां देश



के मेहनतकश लोगों का अपमान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि चाय बेचकर, रिक्शा चलाकर, रेहड़ी लगाकर या मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करना क्या अपराध है? उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि किसी भी सामान्य पृष्ठभूमि का व्यक्ति अपनी मेहनत और क्षमता के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। विज ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री और उनके परिवार को लेकर टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है और राजनीतिक बहस में परिवार के सदस्यों को निशाना बनाने से बचना चाहिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

सम्मान हासिल कर रहा है। उन्होंने विपक्ष के 'चेंज द रेजीम' संबन्धी नारे पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव जीतकर ही किया जा सकता है। विपक्ष को जनता के बीच जाकर अपनी योजनाएं और नीतियां रखनी चाहिए तथा सरकार की कमियों को सामने लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता अपने विवेक से मतदान करती है और राजनीतिक दलों को उसके निर्णय का सम्मान करना चाहिए। विज ने विपक्ष से अपील की कि वह अपने बयानों और गतिविधियों में संयम बरते। विज ने कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली का उल्लेख करते हुए आशंका जताई कि बड़े स्तर पर लोगों को जुटाने से कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने 1984 के सिख-विरोधी नरसंहार और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बयान का संदर्भ देते हुए कांग्रेस की आलोचना की। ये आशंकाएं और आरोप मंत्री ने अपने संबोधन में व्यक्त किए।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ द्वारा कैपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 27 अक्टूबर को

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुररानी में किया जाएगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन पंचकूला, (विजेश शर्मा)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के कैपस प्लेसमेंट सेल द्वारा एक्सिस बैंक के सहयोग से 27 अक्टूबर, 2026 को कैपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य इग्नू के पात्र पूर्व विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, द्वितीय तल, रायपुर रानी, पंचकूला में आयोजित की जाएगी। यह पहल इग्नू की अपने विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों के करियर विकास को बढ़ावा देने तथा उन्हें संभावित नियोक्ताओं से जोड़कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस

प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से पात्र अभ्यर्थियों को बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इग्नू के पूर्व विद्यार्थी भी इस प्लेसमेंट ड्राइव में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पात्र वर्तमान विद्यार्थी भी इसमें शामिल हो सकते हैं। सभी पात्र अभ्यर्थियों से आग्रह किया जाता है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएँ और अपने करियर को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास करें। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ का कैपस प्लेसमेंट सेल सभी पात्र विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों को इस प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे प्रारंभिक पंजीकरण के लिए प्रातः 9.30 बजे तक इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, द्वितीय तल, रायपुर रानी, पंचकूला में पहुँचें।

रेल मंत्री एवं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने जयपुर (खातीपुरा)-टाटानगर- सांतरगाछी एक्सप्रेस ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ नई रेल सेवा से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच कनेक्टिविटी होगी मजबूत बेहतर रेल सेवा से रोजगार, शिक्षा और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

उमेश तिवारी



जयपुर (खातीपुरा)- टाटानगर - सांतरगाछी एक्सप्रेस ट्रेन का आज शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम पर माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में श्री दिलीप घोष, मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री सुनील कोठारी, महापौर, झारखंड में रेलवे के सांसद एवं श्रीमती मंजू शर्मा, सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जयपुर को जमशेदपुर और कोलकाता से जोड़ने वाली नई ट्रेन

करोड़ की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 57 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें गोड्डा, खड़गपुर रोड, लोहरदगा, मधुपुर और मुरी सहित कई स्टेशनों पर कार्य पूरा हो चुका है। रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में पुनर्विकास कार्य जारी है और 1,300 से अधिक स्टेशनों को विकास के लिए लिया गया है। पश्चिम बंगाल के कई स्टेशनों, जिनमें सांतरगाछी, जलपाईगुड़ी रोड, जयचंडी पहाड़, हल्दिया और कामाख्यागुड़ी शामिल हैं, का भी पुनर्विकास किया जा रहा है। श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे का विकास मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिनके लिए रेलवे किफायती

परिवहन का एक प्रमुख साधन है। उन्होंने जोर दिया कि स्टेशन पुनर्विकास और बेहतर कनेक्टिविटी से सभी आय वर्गों के यात्रियों को लाभ होगा। श्री वैष्णव ने कहा कि लाहवाड़ा, खड़गपुर, चाकुलिया और टाटानगर को जोड़ने वाली रेल लाइन पर चार-लाइन विस्तार का कार्य किया जा रहा है। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि कोलकाता मेट्रो के बेदाघाटा-आईटी सेंटर से जुड़ा 4.5 किलोमीटर लंबा सेक्शन पूरा हो चुका है और इस पर ट्रायल रन शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सेक्शन ग्रीन लाइन से कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान अवसरंजन परियोजनाओं के लिए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया।

जामिया का नया आदेश आठ नवंबर तक ऑनलाइन कक्षाएं, सेमेस्टर परीक्षाओं का तरीका भी तय; आगे के फैसले पर टिकी नज़रें

नई दिल्ली,एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में आठ नवंबर 2026 तक ऑनलाइन कक्षाएं संचालित होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने द्वितीय मध्यावधि सेमेस्टर परीक्षाएं भी ऑनलाइन माध्यम से कराने का निर्णय लिया है। आठ नवंबर के बाद कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी या ऑफलाइन, इसका फैसला परिसर की स्थिति की समीक्षा के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से 26 अक्टूबर को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, परिसर की वर्तमान स्थिति की समीक्षा और आकलन के लिए सोमवार शाम पांच बजे एफटीके-सीआईटी के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक हुई। बैठक कुलपति एवं कुलाधिपति के प्रतिनिधि की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें सभी डीन, विभागाध्यक्षों, निदेशकों और अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में तय

किया गया कि दिवाली की छुट्टियों यानी आठ नवंबर तक ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। इसके बाद परिसर की स्थिति के आधार पर कक्षाओं के संचालन के तरीके की समीक्षा की जाएगी। आदेश के मुताबिक, द्वितीय मध्यावधि सेमेस्टर परीक्षाएं ऑनलाइन होगी। परीक्षा कार्यक्रम और ऑनलाइन परीक्षाओं के संचालन से परामर्श करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन कक्षाओं और परीक्षाओं के सुचारु संचालन की व्यवस्था करने और विद्यार्थियों की उपस्थिति का नियमित रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

आर्थिक मोर्चे पर विकास के सकारात्मक संकेत

विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर की रेटिंग संस्थाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिमान स्वीकार करते हुए वैश्विक औसत से लगभग दो गुणी विकास दर रहने की संभावना जताई है। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि वैश्विक परिस्थितियों में कहीं और किसी तरह का सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। ईरान-अमेरिका युद्ध हो या रूस-यूक्रेन युद्ध हो या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तानाशाही पूर्ण तुंगलकी निर्णय हो या कच्चे तेल के भावों में बेतहासा बढ़ोतरी और हार्मुज का संकट हालात समूचे विश्व में विकट से विकटतर बने हुए हैं। अब तो फांस के हालात भी बिगड़ते जा रहे हैं तो उसका असर जहां योरोप में दिखाई देगा वहीं भारत में भी हालात को प्रभावित करने के कतिपय प्रयास जारी है। अच्छी बात यह है कि देश-दुनिया के गंभीर हालातों के बावजूद आर्थिक क्षेत्र की दुनिया की लगभग सभी रेटिंग संस्थाओं ने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट को लेकर आशा से भी अधिक विश्वास जताया है। रेटिंग संस्थाओं की ही माने तो 2026 की वैश्विक औसत आर्थिक विकास दर 3 दशमलव 1 फीसदी रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है वहीं दुनिया की रेटिंग संस्थाओं ने भारत के आर्थिक परिणामों को देखते हुए जुलाई की तुलना में अक्टूबर आते आते ग्रोथ को 6 दशमलव 9 से लेकर 7 दशमलव 1 रहने की उम्मीद जताई है। खास बात यह है कि विश्व रेटिंग संस्थाओं में से किसी भी संस्था ने जुलाई की रेटिंग की तुलना में नकारात्मक ग्रोथ नहीं दिखा कर ग्रोथ रेट में इजाफा ही जाहिर किया है। दरअसल देश में मांग और आपूर्ति से लेकर निर्यात तक में लगातार विकास देखा जा रहा है। देश में मांग और आपूर्ति की बेहतर हालात से तो निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह भी तब जब वैश्विक मांग कमजोर देखी जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि एमएसएमई सेक्टर में लगातार अच्छा काम हो रहा है तो दूसरी और सर्विस सेक्टर में तो एक तरह से लगातार उल्लाह ही आ रहा है। कच्चे तेल के भावों में तो जैसे आग ही लग रही है और उपलब्धता को लेकर भी लाख झंझट के बावजूद हकोनोमी को बूस्टअप रखने में खास बाधा नहीं आ रही है। देश में देसी-विदेशी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महंगाई के बावजूद बाजार में मांग बरकरार है। बाजार में मांग से यह साफ है कि लोगों की ऋय शक्ति बनी हुई है। सर्विस सेक्टर में टूरिज्म, बैंकिंग, आईटी, और इसी तरह के अन्य क्षेत्र उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। नवंबर में दीपावली के त्यौहार के चलते बाजार और अधिक गतिशील हो जाएगा वयोंकि दीपावली पर बाजार में तेजी आती ही आती है। जानकारों की माने तो नवंबर माह में दीपावली पर 7 लाख करोड़ का कारोबार अनुमानित किया जा रहा है। यह पिछली दीपावली की तुलना में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक अधिक रहने की संभावना है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र में भी अच्छी ग्रोथ जारी रहने का अनुमान है। इसके अलावा विपरीत हालातों के बावजूद निर्यात में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश की इकोनोमिक ग्रोथ के कारण देसी-विदेशी निवेश के बेहतर हालात दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि चाहे आईएमएफ हो या मूडीज, ओईसीडी हो या वर्ल्ड बैंक, एशियन डेव्लपमेंट बैंक हो या एसएण्डपी या फिच सभी ने भारत की इकोनोमी की ग्रोथ को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। भारत का आरबीआई का आंकलन तो पहले से ही सबके सामने हैं। एकमात्र फिच रेटिंग संस्था ऐसी है जिसने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट 6.9 प्रतिशत आंकी है जोकि हांलाकि पूर्व की फिच की ही पूर्व की रेटिंग 6.5 प्रतिशत से ही अधिक है। मूडीज सहित कुछ रेटिंग संस्थाओं ने जहां अब 7 प्रतिशत विकास दर आंक रहे हैं तो वर्ल्ड बैंक, ओईसीडी आदि संस्थाओं को भरोसा है कि भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक यानी की 7.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नित नए निर्णयों से दुनिया की अर्थ व्यवस्था पर पड़ा रहे असर, युद्ध और तनाव के हालातों में सुधार नहीं होने, हार्मुज जैसी समस्या का समाधान नहीं होने, वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता के दौर के बावजूद एक ही सधी हुई नीति का ही परिणाम है कि देश की अर्थ व्यवस्था विकास की गति को ना केवल बनाए हुए हैं अपितु उसकी विकास का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके लिए समय और समन्वित प्रयासों को श्रेय जाता है। जहां घरेलू मांग में कमी नहीं आई है वहीं निवेश का बेहतर माहौल बना हुआ है। एमएसएमई को उत्पादन लिंक प्रोत्साहन योजना का लाभ सीधे इकोनोमी का मिल रहा है वहीं रणनीतिक क्षेत्रों सेमीकण्डक्टर, डिफेंस, इलेक्ट्रोनिक्स, आईटी आदि आदि क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जा रहा है। यही कारण है कि आज इंडियन इकोनोमी और उसकी ग्रोथ पर वैश्विक रेटिंग संस्थाएं अपना विश्वास व्यक्त कर रही है।

सपा की सियासत में आजम की ताकत और रामपुर जेल का सियासी फलसफा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रामपुर की जेल सिर्फ एक चारदीवारी नहीं, बल्कि वर्तमान में समाजवादी पार्टी के भविष्य और मुस्लिम सियासत के नए ध्रुवीकरण का केंद्र बन चुकी है। 22 अक्टूबर 2026 को सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पार्टी के सबसे कद्दावर मुस्लिम चेहरे आजम खान के बीच रामपुर जिला जेल में हुई लगभग एक घंटे की मुलाकात केवल दो नेताओं की शिष्टाचार भेंट नहीं थी। यह उत्तर प्रदेश के आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात पर चली गई एक ऐसी चाल है, जिसके दूरगामी परिणाम न केवल समाजवादी पार्टी के भीतर, बल्कि पूरे राज्य के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने पर दिखाई देंगे। कानूनी शिकंजे में फंसे और चुनावी राजनीति से तकनीकी रूप से दूर हो चुके आजम खान की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके एक इशारे पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दर्जनों सीटों का गणित बदल सकता है। यही कारण है कि अखिलेश यादव को खुद रामपुर जेल पहुंचकर यह संदेश देना पड़ा कि समाजवादी पार्टी में आजम खान की हैसियत न तो कम हुई है और न ही उन्हें हारिशे पर धकेला जा सकता है। यह मुलाकात इस बात का जीवंत प्रमाण है कि सत्ता और कानूनी मुकदमों के उतार-चढ़ाव के बावजूद, सपा की सियासत में आजम की ताकत का सूत्र पूरी तरह अस्त नहीं हुआ है, बल्कि रामपुर जेल की सलाखों के पीछे से वह एक नई ऊर्जा के साथ उभर रही है। यह घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि जब-जब उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन या बड़े राजनैतिक उलटफेर की

नींव रखी जाती है, तब-तब रामपुर की किला और वहां का नेतृत्व स्वतः ही मुख्यधारा की चर्चा के केंद्र में आ जाता है। इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए समाजवादी पार्टी के अंतर्विरोधों और उत्तर प्रदेश के बदलते मुस्लिम नेतृत्व के संकट को देखना जरूरी है। पिछले कुछ समय से यह चर्चा आम थी कि आजम खान के जेल जाने और उनके परिवार पर आए कानूनी संकट के दौरान समाजवादी पार्टी ने उस आक्रामकता के साथ उनका साथ नहीं दिया, जिसकी उम्मीद एक संस्थापक सदस्य को होती है। पार्टी के भीतर और बाहर इस बात को लेकर सुगुबाहट थी कि अखिलेश यादव अपनी छवि को एक नए, आधुनिक और गैर-विवादस्पद रूप में ढालने के लिए माई (मुस्लिम-यादव) समीकरण से थोड़ा इतर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा दे रहे हैं। इस नए विमर्श में आजम खान जैसे पुराने समाजवादी दिग्गजों की कट्टर छवि फिट नहीं बैठ रही थी। इसी बीच, असदुद्दीन औवैसी की एआईएमआईएम और अन्य क्षेत्रीय दलों ने इस खालीपन को भरने की कोशिश शुरू कर दी। औवैसी लगातार यह आरोप लगाते रहे कि सपा मुस्लिमों के वोट तो लेती है, लेकिन जब उनके बड़े मुलाकात इस बात का जीवंत प्रमाण है कि साध लेता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो कभी आजम खान का अभेद्य किला माना जाता था, वहां मुस्लिम मतदाताओं के बीच उपजे इस असमंजस को अखिलेश यादव भांप सलाखों के पीछे से वह एक नई ऊर्जा के साथ उभर रही है। यह घटनाक्रमों में जिस तरह से अंदरूनी गुटबाजी सामने आई, उसने पार्टी आलाकमान को संवेत कर दिया कि

आजम खान को नजरअंदाज करने की कीमत 2027 में बेहद भारी पड़ सकती है। इसलिए, अखिलेश यादव का रामपुर जेल जाना राजनीतिक मजबूरी भी था और एक सोची-समझी रणनीति भी, जिसके जरिए उन्होंने एक ही झटके में औवैसी के नैरेटिव को ध्वस्त करने और अपने कोर वोटर को यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के दौर के स्तंभ आज भी उतने ही आदरणीय हैं। यह कदम यह भी स्पष्ट करता है कि सपा अपने पारंपरिक और वफादार वोट बैंक को किसी भी अन्य वैचारिक प्रयोग की वेदी पर होम करने के लिए तैयार नहीं है। जेल की इस मुलाकात ने न केवल सपा के कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा है, बल्कि पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान पर भी एक तरह से विराम लगाने का काम किया है। हाल के दिनों में रामपुर के वर्तमान सांसद मोहिबुल्लाह नदवी और आजम खान के समर्थकों के बीच की दूरी जगजाहिर रही है। स्थानीय स्तर पर संगठन दो धड़ों में बंटा नजर आ रहा था। अखिलेश यादव की जेल से बाहर आकर जिस तरह आजम थे, आजम हैं और आजम रहेंगे का हुंकार भरा, उससे उन्होंने यह साफ कर दिया कि रामपुर और पूरे रुहेलखंड क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का चेहरा और कमान आज भी परोक्ष रूप से आजम खान के पास ही रहेगी। खबरों के मुताबिक, इस मुलाकात के दौरान आजम खान की पत्नी तंजीन फत्मी ने अखिलेश यादव को संभावित उम्मीदवारों और रणनीतिक बदलावों की एक सूची भी सौंपी। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि 2027 के

विधानसभा चुनावों में टिकटों के बंटवारे से लेकर गठबंधन के स्वरूप तक, आजम खान की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। भले ही आजम खान खुद चुनावी मैदान में न उतर सकें, लेकिन उनका रिमोट कंट्रोल यूपी की सियासत में बेहद प्रभावी रहने वाला है। उनका यही प्रभाव अखिलेश यादव को उनके पास खींच लाया, क्योंकि वे जानते हैं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम समाज में आजम खान की आवाज आज भी एक भावनात्मक अपील रखती है, जिसे कोई दूसरा नेता रिप्लेस नहीं कर पाया है। यह प्रभाव केवल रामपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि मुरादाबाद, बिजनौर, बरेली और अमरोहा जैसे पूरे मुस्लिम बहुल बेल्ट में आजम खान की राजनीतिक छत्रछाया आज भी टिकटार्थियों के भाग्य का फैसला करने की क्षमता रखती है। दूसरी तरफ, इस मुलाकात ने विपक्षी खेमे, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर सपा पर हमलावर होने का मौका दे दिया है। भाजपा ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति का नया अध्याय और अपराधियों को संरक्षण देने की कोशिश करार दिया है। सत्ताधारी दल का तर्क है कि कानून सम्मत कार्रवाई के तहत जेल में बंद एक सजायाफ्ता नेता से राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री की यह मुलाकात यह दर्शाती है कि सपा आज भी अपने पुराने ढर्रे और तुष्टिकरण की नीति से बाहर नहीं निकल पाई है। भाजपा के रणनीतिकार इस मुलाकात को बहुसंख्यक मतदाताओं के बीच भुनाने की कोशिश करेंगे, ताकि सपा के खिलाफ एक बार फिर ध्रुवीकरण का माहौल बनाया जा सके। भाजपा के लिए यह

मुलाकात एक ऐसा हथियार है जिसके जरिए वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि अखिलेश यादव का पीडीए सिर्फ एक मुखौटा है, और असलियत में वे उसी पुरानी राजनीति की ओर लौट रहे हैं जिसे जनता ने नकारा था। सुभासपा और अन्य छोटे दलों ने भी इसे केवल एक चुनावी नोटकी बताया है। विपक्ष का यह तीखा हमला दिखाता है कि वे भी अच्छी तरह जानते हैं कि आजम और अखिलेश का यह पुनर्मिलन अगर जमीन पर रंग लाया, तो विपक्षी दलों के लिए मुस्लिम वोटों में संघ लगाना नामुमकिन हो जाएगा। भाजपा की ओर से आने वाले तीखे बयान इस बात का भी संकेत हैं कि वे आने वाले समय में कानून-व्यवस्था के मुद्दे को एक बार फिर चुनाव के केंद्र में लाएंगे और आजम खान का नाम लेकर सपा को घेरने की हरसंभव कोशिश करेंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह उठता है कि क्या रामपुर जेल की यह मुलाकात समाजवादी पार्टी को 2027 की सत्ता के सिंहासन तक पहुंचा पाएगी? उत्तर प्रदेश की सियासत अब 2012 या 2017 जैसी नहीं रह गई है। मतदाता बेहद जागरूक हैं और केवल भावनात्मक अपीलों पर वोट नहीं करते। आजम खान की ताकत का एक पहलू अगर उनका भारी जनसमर्थन है, तो दूसरा पहलू उनकी छवि को लेकर होने वाला काउंटर-ध्रुवीकरण भी है। अखिलेश यादव के सामने चुनौती यह होगी कि वे आजम खान की ताकत का इस्तेमाल मुस्लिम वोटों को एकजुट करने में तो करें, लेकिन इसके साथ ही बहुसंख्यक और गैर-यादव ओबीसी मतदाताओं को छिटकने न दें।

यूपीआई के लिए कोई शुल्क चुकाने से परहेज क्यों

व्यापारियों को किए जाने वाले बड़े यूपीआई भुगतान (उन व्यापारियों को 2,000 रुपये से अधिक का, जो यूपीआई के जरिये महीने में एक लाख रुपये से ज्यादा की रकम प्राप्त करते हैं, पर हाल में घोषित ‘व्यापारी छूट दर (एमडीआर)’ को लागू करने का फैसला दीपावली तक के लिए टाल दिया गया है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को एक ऐसी सुविधा में बदल दिया है, जिसमें कोई रुकावट नहीं आती और अब तक यह पूरी तरह से निःशुल्क रही है।

हालांकि, इस विकास को सरकार के उस आदेश से बल मिला, जिसमें बैंकों के बीच धन के लेन-देन पर एमडीआर को शुन्य रखा गया था। यह मुफ्त मॉडल ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गया और लोगों ने बड़ी तेजी से यूपीआई को अपनाना शुरू कर दिया, लेकिन साथ ही यह बहस भी छिड़ी कि इसको चलाने का खर्च कौन उठाएगा? आज यूपीआई प्लेटफॉर्म को चलाने का सालाना खर्च लगभग 20,000 करोड़ रुपये (2 अरब डॉलर से कुछ अधिक) होने का अनुमान है। हम आज जिस स्थिति में हैं, वह एक बेहतरीन नीतिगत कदम और बाद की गलतियों का नतीजा है। ये सफलताएं और विफलताएं, भारतीय कानूनों से जुड़ी बड़ी समस्या की ओर इशारा करती हैं, इसलिए इनको विस्तार से समझना जरूरी है। ‘नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई)’ ने 2016 में यूपीआई की



शुरुआत की थी। असल में, नंदन नीलेकणि समिति ने एक ऐसी भुगतान प्रणाली का सुझाव दिया था, जो सरल हो, किसी वॉलेट के बिना हो और बहुत कम डाटा खाने वाला हो। इसकी सबसे अहम खूबी पूरे इकोसिस्टम में आपसी तालमेल थी। यूपीआई को इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसे आसानी से इस्तेमाल किया जा सके, बड़े स्तर तक फैलाया जा सके और यह मुश्किल समय में भी टिका रहे। इसने उम्मीद से कहीं बेहतर काम

करके दिखाया। यूपीआई पर तीन साल से कुछ अधिक समय तक 0.3 प्रतिशत तक का एमडीआर लागू था। नीतिगत गलती तब हुई, जब 2019 में ‘पेमेंट ऐंड सेटलमेंट सिस्टम ऐक्ट, 2007’ की धारा 10ए में संशोधन करके एमडीआर को पूरी तरह खत्म कर दिया गया। इससे इस इकोसिस्टम से जुड़े सभी पक्षों को नुकसान उठाना पड़ा, सिवाय एनपीसीआई के, जिसने लेन-देन की भारी संख्या के जरिये कमाई की। दूसरी बार नोटबंदी के

बाद की आर्थिक अनिश्चितता और कोविड के दौरान कई ऐसी गलतियां हुईं, जिनकी वजह से यूपीआई इकोसिस्टम में निजी क्षेत्र की भूमिका को कम कर इसे सरकार के ‘मिशन-मोड प्रोजेक्ट’ के रूप में पेश किया गया। इसके बाद सरकार ने खुद का ‘भूमि’ ऐप बनाया और सरकारी हस्तियों को टीवी पर इसका प्रचार करने के लिए उतार दिया। यूपीआई का मूल दर्शन यह रहा है कि इसमें होने वाले नवाचार, चाहे वे तकनीकी अपग्रेड हो या ग्राहकों के लिए

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओव्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा

चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को ‘संयुक्त राष्ट्र दिवस’ मनाया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गईं कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम



घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विडम्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी

अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगताना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी देशों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटक रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के

कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र मानदंडों का पूरा करने के बाद भी देशों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटक रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के

अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अलग-अलग बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।



यमुना में फिर दिखने लगा सफेद जहरीला झाग, दिल्ली में कालिंदी कुंज के पास छठ से पहले मोटी परत

नई दिल्ली,एजेंसी। यमुना नदी में एकबार फिर सफेद झाग नजर आने लगा है। ये सफेद जहरीला झाग कालिंदी कुंज के पास दिखाई दे रहा है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में जैसे-जैसे ठंड के दिन वापस लौट रहे हैं वायु प्रदूषण को लेकर भी चिंता बढ़ती जा रही है। रविवार सुबह 9 बजे दिल्ली का एयर क़ालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 167 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। कालिंदी कुंज से सामने आ रही तस्वीर बीते कुछ साल की कहानी एकबार फिर बयां कर रही है। नदी में जहरीले सफेद झाग की मोटी परत तैरती दिखाई दे रही है जो कि नदी में प्रदूषण किस हद तक है इस समस्या को एकबार फिर सबके सामने पेश कर रही है। छठ पूजा से पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी अहम हो जाता है, क्योंकि यमुना किनारे श्रद्धालु स्नान और पूजा पाठ करने पहुंचते हैं। सरकार ने 8,941 करोड़ रुपये की लागत वाली 43 परियोजनाओं का गुरुवार को उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें यमुना की सफाई के लिए ओखला में दिल्ली का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी शामिल है। इसपर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में यमुना नदी को सुधारने के लिए जिस तरह से काम शुरू किए हैं उसपर मजबूती से आगे बढ़ा जा रहा है। रेखा गुप्ता की युमना नदी को लेकर दिए गए इस बयान के बाद ठीक बाद ही नदी में एकबार फिर सफेद झाग दिखाई दे रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सीरम भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि रेखा गुप्ता सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने पिछले साल यमुना को साफ कर दिया था। उन्होंने झाग हटाने वाले रसायन (डीफोमर) की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया में दिल्ली जल बोर्ड पर घोटाले का आरोप लगाया। सीरम भारद्वाज ने एक वीडियो में कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही झाग निर्यत्रित करने के लिए नदी पर डीफोमर का छिड़काव शुरू करेगी। भारद्वाज ने दावा किया कि मौजूदा जल मंत्री प्रवेश वर्मा दिल्ली में आप की सरकार के दौरान इसी झाग को जहरीला बताया करते थे। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि टैंडर खुलने से पहले ही एक कंपनी ने झाग हटाने के अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने इसे वर्मा के विभाग में नियमों का स्पष्ट उल्लंघन और टैंडर घोटाला बताया। आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली में यमुना का क्षेत्र करीब 22 किलोमीटर है। समय-समय पर अलग-अलग सरकारों ने अपनी-अपनी ओर से कोशिश की मगर गंदगी और प्रदूषण कम नहीं हो पाया।

दिल्ली में मर्डर! मामूल विवाद में युवक को घेरकर चाकूओं से गोद डाला

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के द्वारका जिले में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के डाबड़ी इलाके में शनिवार देर रात झंडा चौक के पास दो से तीन युवकों ने घेरकर एक युवक की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने युवक के पेट और पीठ पर चाकू से कई ताबड़तोड़ वार किए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है, लेकिन फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक और हमलावर पहले से एक-दूसरे को जानते थे। वारदात से ठीक पहले झंडा चौक के पास उनके बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस और काफी कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि हमलावरों ने युवक को घेर लिया और उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। युवक को गंभीर रूप से घायल करने के बाद सभी हमलावर मौके से भाग निकले।

उत्तर रेलवे				
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मर्दों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मर्दों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-				
क्र० सं०	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	09272189	ब्रेक वियर प्लेट	58155 नग	16-11-26
02	09262418	साइड फ्रेम फिक्शन लाइनर (इन सेट) फॉर कास्ट स्टील बोगी ऑफ बी एल सी बैगन	6499 नग	23-11-26
03	09272463	ब्रेक बीम फॉर कास्ट स्टील बोगी	1693 नग	25-11-26
04	09272181	ब्रेक बीम	1930 नग	07-12-26
निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। टेंडर नोटिस सं. 53/2026-2027 दिनांक-26.10.2026 3721/2026				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				
उत्तर रेलवे				
निविदा सूचना				
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण/कस्मोरी गेट, दिल्ली-110006, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-खरीद प्रणाली के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।				
क्रम. संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	40265128A	आईएसआई मार्क वाला एचटी एक्सएनपीई (क्रॉस लिंकड पोलीडिथलीन इंसुलेटेड थर्मोप्लास्टिक्स शीथेड) केबल, साइज 3 कोर X 150 वर्ग मिमी, पीवीसी बाहरी शीथेड, गैल्वनाइज्ड राउंड स्टील फॉर्मैड वायर आर्मर्ड और एल्युमिनियम कंडक्टर केबल, 11 किलोवाट रेटेड, आईएस:7088 पार्ट-2:2011 या नवीनतम के अनुरूप।	4600 Meter	23.11.26
नोट:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS की वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। सं.: डिप्टी.सी.एफ.एम./सी./एन.आर./40265128A दिनांक: 26.10.26 3718/26				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				
उत्तर रेलवे				
निविदा सूचना				
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण/कस्मोरी गेट, दिल्ली-110006, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-खरीद प्रणाली के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।				
क्रम. संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	40265128A	आईएसआई मार्क वाला एचटी एक्सएनपीई (क्रॉस लिंकड पोलीडिथलीन इंसुलेटेड थर्मोप्लास्टिक्स शीथेड) केबल, साइज 3 कोर X 150 वर्ग मिमी, पीवीसी बाहरी शीथेड, गैल्वनाइज्ड राउंड स्टील फॉर्मैड वायर आर्मर्ड और एल्युमिनियम कंडक्टर केबल, 11 किलोवाट रेटेड, आईएस:7088 पार्ट-2:2011 या नवीनतम के अनुरूप।	4600 Meter	23.11.26
नोट:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS की वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। सं.: डिप्टी.सी.एफ.एम./सी./एन.आर./40265128A दिनांक: 26.10.26 3718/26				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

नई दिल्ली

ये सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने वाली बात; राहुल गांधी पर अब क्यों भड़की भाजपा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 139वें संस्करण को सुना। इस दौरान अंबेडकर कॉलेज के छात्र-छात्राओं और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी एवं विपक्ष के अन्य नेताओं पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा का नाम लिए बगैर कथित तौर पर बांग्लादेश से प्रेरणा लेने वाली बात के लिए उन पर भी निशाना साधा। कार्यक्रम के बाद हर्ष मल्होत्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की

बात’ कार्यक्रम का 139वां संस्करण अंबेडकर कॉलेज के युवाओं के साथ सुना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर महीने के आखिरी रविवार को देशभर में होने वाली राष्ट्रीय महत्व की छोटी-छोटी घटनाओं के बारे में बात करते हैं। पीएम मोदी पूरे विश्व में ऐसे अकेले राष्ट्राध्यक्ष हैं जो हर माह देश की जनता के साथ बात करते हैं। आज भी उन्होंने श्री अन्न मतलब मोटे अनाजों (मिलेट्स) के महत्व के बारे में बात की है। पंजाब में ऑर्गेनिक कपास की खेती के बारे में बताया और सबसे महत्वपूर्ण इस बार फिर चौथी बार प्रधानमंत्री ने अंगदान के महत्व और उसकी जरूरत के विषय में भी बात की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं ऐसा मानता हूँ कि पूरी दिल्ली में पिछले 15-20 दिनों लगभग एक महीने से विपक्षी दल यानी ‘इंडी गटबंघन’, विशेष तौर से

जामिया में बवाल! छात्रसंघ चुनाव पर पेच कहां फंसा है, आखिर छात्र और प्रशासन क्या चाहते हैं



हड़ताल पर बैठ गए। 25 अक्टूबर तक भूख हड़ताल 13वें दिन में पहुंच गई थी। छात्रों की प्रमुख मांगों में चुनाव की समयसीमा घोषित करना, प्रदर्शन से संबंधित अनुशासनात्मक कार्रवाई वापस लेना और मुख्य प्रॉक्टर तथा सुरक्षा

बनाई गई। विश्वविद्यालय के मुताबिक, नई कमेटी 2006 में छात्रसंघ भंग किए जाने की परिस्थितियों, संबंधित अदालतों के आदेशों, लिंगदोह समिति की सिफारिशों और विश्वविद्यालय के लागू नियमों की समीक्षा करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति को 20 दिसंबर 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। प्रशासन का कहना है कि छात्रसंघ का संविधान और चुनाव कराने की व्यवस्था तैयार हुए बिना चुनाव की तारीख घोषित करना उचित नहीं होगा। उच्चस्तरीय कमेटी ने

गाड़ी संख्या 12309 राजेन्द्र नगर (ट) – नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 12309 (28.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
नई दिल्ली	07:40	---	07:55 —

गाड़ी संख्या 12393 राजेन्द्र नगर (ट) – नई दिल्ली संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 12393 (28.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
नई दिल्ली	07:55	---	08:05 —

गाड़ी संख्या 12229 लखनऊ-नई दिल्ली लखनऊ मेल की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 12229 (28.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
गाज़ियाबाद	05:53	05:55	06:01 06:03
नई दिल्ली	06:55	---	07:00 —

गाड़ी संख्या 14218 चण्डीगढ़ – प्रयागराज संगम ऊँचाहार एक्सप्रेस की समय-सारणी में परिवर्तन				
स्टेशन	गाड़ी सं. 14218 (28.10.2026 से प्रभावी)			
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय		
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
चण्डीगढ़	---	16:45	---	16:45
चण्डीगढ़ – दिल्ली जं. के बीच कोई परिवर्तन नहीं				
दिल्ली जं.	21:05	21:20	21:15	21:30
साहिबाबाद	21:42	21:44	21:56	21:58
गाज़ियाबाद	22:11	22:13	22:16	22:18
अलीगढ़ जं.	23:30	23:35	23:40	23:45
हाथरस जं.	23:57	23:59	00:07	00:09
दृण्डला जं.	01:10	01:15	01:15	01:20
फिरोज़ाबाद	01:40	01:42	01:40	01:42
शिकोहाबाद जं. – रूरा के बीच कोई परिवर्तन नहीं				
कानपुर सेट्रल	05:30	05:35	05:35	05:40
उन्नाव	06:06	06:08	06:12	06:14
बीघापुर	06:37	06:39	06:40	06:42
तकिया	06:51	06:52	06:51	06:53
तकिया से आगे कोई परिवर्तन नहीं				

गाड़ी संख्या 12418 नई दिल्ली – प्रयागराज जं. प्रयागराज एक्सप्रेस की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 12418 (28.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
नई दिल्ली	---	22:10	— 22:15
गाज़ियाबाद	22:42	22:44	22:50 22:52
अलीगढ़ जं.	23:55	23:57	00:02 00:04
कानपुर सेट्रल	03:50	03:55	03:55 04:00
फतेहपुर	04:50	04:52	05:00 05:02

गाड़ी संख्या 22438 आनन्द विहार (ट) – प्रयागराज जं. हमसफर सुपरफास्ट एक्सप्रेस की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 22438 (29.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
आनन्द विहार (ट.)	---	22:35	— 23:15
कानपुर सेट्रल	03:25	03:30	04:10 04:15
प्रयागराज जं.	06:20	---	07:55 —

गाड़ी संख्या 54058 शामली – दिल्ली जं. पैरंजतर की समय-सारणी में परिवर्तन			
स्टेशन	गाड़ी सं. 54058 (28.10.2026 से प्रभावी)		
	मौजूदा समय	परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन प्रस्थान
दिल्ली जं.	---	07:40	— 07:45
रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।			

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



एक नज़र

यूपी में रिश्तों का खून शराब पीने के बाद रिटायर्ड फौजी भाइयों ने खोया आपा, बड़े भाई ने छोटे की कर दी हत्या

बुलंदशहर/गुलावटी,एजेंसी। यूपी के बुलंदशहर जिले में रिश्तों का खून हो गया है। भाई ही भाई का दुश्मन बन गया है। घटना गुलावटी के गांव करीमनगर बनबोई का है। साथ में शराब पी रहे फौज से रिटायर्ड सगे भाइयों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और बड़े भाई ने आपा छो दिया। उसने छोटे भाई के शिर पर चारपाई के पाये से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। गांव करीमनगर बनबोई निवासी 41 वर्षीय रविंद्र सिरोही और हरेंद्र सिरोही दोनों रिटायर्ड फौजी और सगे भाई थे। शनिवार रात दोनों भाई साथ बैठकर शराब पी रहे थे। किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बड़ा भाई हरेंद्र आपा खो बैठा और उसने चारपाई के पाये से छोटे भाई रविंद्र सिरोही के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। सिर पर गंभीर चोट लगने से रविंद्र लहलुहान हो गया। घटना का पता लगते ही परिजनों में हड़कंप मच गया और रविंद्र को लेकर परिजन अस्पताल दौड़े, वहां डॉक्टरों ने रविंद्र को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस गांव में पहुंच गई और आरोपी हरेंद्र को आला कत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद रविंद्र का शव गांव लाया गया और गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। पांच साल पहले फौज से सेवानिवृत्त हुए रविंद्र सिरोही अपने चार बच्चों और पत्नी के साथ मेरठ में रहते थे। पारिवारिक कारणों के चलते करीब पांच माह से रविंद्र गांव में ही रह रहे थे। रविंद्र और उनका बड़ा भाई हरेंद्र दोनों मिलकर खेती-बाड़ी करते थे। परिजनों के अनुसार आरोपी हरेंद्र सिरोही करीब 10 साल पहले सेवानिवृत्त हुआ था। रविंद्र पारिवारिक विवाद के चलते पिछले पांच माह से गांव में ही रह रहे थे।

यूपी के मेडिकल कॉलेज में ऑनलाइन रैगिंग, 7 एमबीबीएस छात्र निलंबित, कॉलेज प्रशासन ने जुर्माना भी लगाया

उरई,एजेंसी। यूपी के जालौन राजकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के जूनियर छात्रों से ऑनलाइन रैगिंग का मामला सामने आया है। मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले जूनियर छात्रों को सीनियर छात्रों ने बंद करके गाली-गलौज के साथ प्रताड़ित किया। साथ ही रैगिंग की बात किसी को बताने पर धमकी दी गई। इसका किसी ने चुपके से वीडियो बना लिया। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल होने के बाद मामले का खुलासा हुआ। कॉलेज प्रशासन ने सात सीनियर छात्रों को एक हफ्ते के लिए निलंबित करते हुए एक-एक हजार रुपये जुर्माने की कार्रवाई की है। एक वीडियो 3 मिनट 13 सेकंड तो दूसरा 3 मिनट 42 सेकंड का है। हालांकि आपका अपना अखबार हिन्दुस्तान इसकी पुष्टि नहीं करता है। 4-5 दिन पुराने बताए जा रहे वीडियो पर एमबीबीएस बैच-2025 के सीनियर छात्र जूनियरों से ऑनलाइन रैगिंग करते हुए एक-गलौज कर रहे हैं। रैगिंग का शिकार छात्रों के कुछ साथियों ने खिड़की के बाहर से वीडियो बनाकर वायरल कर दिए। मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन ने कार्रवाई की। प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के मुताबिक रैगिंग की जांच में दोषी पाए जाने पर सात सीनियरों को सात दिन के लिए शैक्षणिक कक्षाओं, वलीनिकल ड्यूटी और छात्रावास से सस्पेंड किया गया है। जुर्माना भी लगाया गया है। इसके साथ ही जारी किए गए नोटिस में जूनियर छात्रों को अपना मोबाइल नंबर सीनियर्स को न देने की हिदायत दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने कहा कि नंबर देने के लिए बाध्य करना और अनधिकृत मैसेज भेजना रैगिंग नियमावली के तहत दंडनीय है। ऐसे मैसेज मिलने पर नंबर ब्लॉक कर एंटी रैगिंग कमेटी को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, वरिष्ठ छात्रों के अनुचित काटसरपेप संदेशों को फॉरवर्ड करने पर एमबीबीएस बैच-2026 के छात्र को चेतावनी दी गई है। प्राचार्य ने बताया कि एंटी रैगिंग कमेटी की आपात बैठक में सजा की राशि बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। उरई। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने एंटी रैगिंग को लेकर सख्ती दिखाई है। प्रिंसिपल डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि आज एंटी-रैगिंग सेल ने जूनियर छात्रों पर जुर्माने की कार्रवाई की है। एक सीनियर छात्रों पर कार्रवाई प्रस्तावित है जिसकी पहचान कर पूछताछ चल रही है। प्रिंसिपल ने कहा कि जूनियर छात्र बार-बार एडवाइजरी के बावजूद नंबर शेयर कर सीनियर्स की वीडियो कॉल अटेंड कर रहे हैं जिससे ऑनलाइन रैगिंग को बढ़ावा मिल रहा है। गोपनीयता के कारण नाम उजागर नहीं किए गए हैं।

गटबंधन से भाजपा के पेट में दर्द; कांग्रेस के 200 सीट वाले पोस्टर को अखिलेश ने नकली बताया

लखनऊ,एजेंसी। यूपी चुनाव 2027 से पहले पोस्टरों को लेकर सियासत तेज हो गई है। सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे भले ही अभी ही अभी न हुआ हो। लेकिन 200 सीट हक हमारा जैसे पोस्टर दिखने लगे हैं। जिस पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी,प्रियंका की फोटो लगीं है। ये पोस्टर किसने लगावा ये साफ नहीं है। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश एक्स पर पोस्टर कर बीजेपी पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होन ऐसे पोस्टरों को नकली बताया है। सपा अध्यक्ष ने लिखा अखिलेश ने 'गटबंधन' से भाजपा के पेट में हुआ दर्द, 'नकली पोस्टर' लगा रही, इतना गई डर। साथ ही पोस्टर लगाने पर नगर निगम के अफसरों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना शुल्क जमा किए सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाए जा रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने इसके पीछे भ्रष्टाचार या शासन के दबाव की आशंका जताई। अखिलेश ने दावा किया कि प्रदेश में PDA सरकार बनने पर इन मामलों का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ED), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (EOW) जैसी एजेंसियों को सक्रिय करने की बात कही। 'गटबंधन' से भाजपा के पेट में हुआ दर्द 'नकली पोस्टर' लगा रही, इतना गई डर उप के म्युनिसिपल उच्चाधिकारियों को निलंबित कर देना



चाहिए क्योंकि कुछ लोग बिना पैसा जमा किये सरेआम पोस्टर लगाव रहे हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जिस पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी,प्रियंका की फोटो लगीं है। ये पोस्टर किसने लगावा ये साफ नहीं है। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश एक्स पर पोस्टर कर बीजेपी पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होन ऐसे पोस्टरों को नकली बताया है। सपा अध्यक्ष ने लिखा अखिलेश ने 'गटबंधन' से भाजपा के पेट में हुआ दर्द, 'नकली पोस्टर' लगा रही, इतना गई डर। साथ ही पोस्टर लगाने पर नगर निगम के अफसरों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना शुल्क जमा किए सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाए जा रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने इसके पीछे भ्रष्टाचार या शासन के दबाव की आशंका जताई। अखिलेश ने दावा किया कि प्रदेश में PDA सरकार बनने पर इन मामलों का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ED), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (EOW) जैसी एजेंसियों को सक्रिय करने की बात कही। 'गटबंधन' से भाजपा के पेट में हुआ दर्द 'नकली पोस्टर' लगा रही, इतना गई डर उप के म्युनिसिपल उच्चाधिकारियों को निलंबित कर देना

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामला फैसला सुनाएगी सुलतानपुर कोर्ट
सुलतानपुर,एजेंसी। सुलतानपुर की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में फैसला सुनाएगी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी अदालत में मौजूद रहेंगे। यह मामला 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन अध्क्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ गांधी की कथित आपतिजनक टिप्पणियों से जुड़ा है, जिसे लेकर एक स्थानीय भाजपा नेता ने मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि 13 अक्टूबर को विशेष सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शुभम वर्मा ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की थी। उन्होंने कहा कि रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सोमवार को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा। भाजपा नेता और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि गांधी ने उसी वर्ष बंगलुरु में एक चुनावी सभा के दौरान अमित शाह के खिलाफ आपतिजनक टिप्पणी की थी। अदालत ने 27 नवंबर 2023 को गांधी को मुकदमे का सामना करने के लिए तलब किया था। इसके बाद वह अदालत में पेश हुए थे, जहां उन्हें जमानत मिल गई थी। बाद में मिश्रा ने राहुल गांधी के आवाज के नमूने का मिलान कराने की अर्जी दी थी, जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को सत्र अदालत ने भी खारिज कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी दोनों अदालतों के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। गांधी इस मामले में 26 अक्टूबर को अदालत में चौथी बार व्यक्तिगत रूप से पेश हो सकते हैं। सुलतानपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनीत जायसवाल ने बताया कि सोमवार को गांधी के लखनऊ से सड़क मार्ग से सुलतानपुर आने का कार्यक्रम है और उनके पृर्वाह 10 बजे तक आने की संभावना है।

2 दिन से लापता फौजी की पत्नी का शव मिला; पति पर हत्या का आरोप, फोन करके बुलाया था

बागपत,एजेंसी। बागपत के वाजिदपुर गांव से दो दिन से लापता चल रही फौजी की पत्नी की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया। शनिवार सुबह महिला का शव मिलने पर पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद मृतका के परिजनों और लोगों ने बड़ौत-बुढ़ाना मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। फौजी पति के खिलाफ तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खड़खड़ी गांव निवासी इरफान को 25 वर्षीय बेटी रुबीना का निकाह तीन साल पहले मुजफ्फरनगर के पुरबालियान गांव निवासी फौजी अलीशान के साथ हुआ था। अलीशान की फिलहाल कश्मीर में तैनाती है। शादी के एक साल बाद रुबीना ने बेटे को जन्म दिया। रुबीना के भाई आजाद ने बताया कि करीब डेढ़ साल से रुबीना का देहज की मांग को लेकर पति से विवाद चल रहा था। इसी

विवाद के चलते रुबीना डेढ़ साल से मायके में रह रही थी। आजाद ने बताया कि 22 अक्टूबर को रुबीना की पति से फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद रुबीना उससे मिलने चली, लेकिन वापस घर नहीं आई। काफी तलाश के बाद जब कोई पता नहीं चला तो उन्होंने 23 अक्टूबर को बड़ौत थाने में रुबीना की गुमशुदगी दर्ज कराई। शनिवार सुबह करीब नौ बजे पुलिस को बिजरोल-वाजिदपुर मार्ग पर वाजिदपुर के रहने वाले किसान सतपाल के खेत में महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतका की शिनाख्त रुबीना के रूप में हुई। फोरेंसिक टीम के अनुसार मृतका के गले पर चोट के गहरे निशान मिले हैं। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया तो गुर्रसाए परिजनों और ग्रामीणों ने बड़ौत-बुढ़ाना मार्ग पर शव को रखकर जाम लगा दिया। वहीं पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

आरोपियों को कोर्ट से जल्दी जमानत मिलने पर सवालों में जांच अधिकारी, एक हफ्ते में 3 शिकायतें

गोरखपुर,एजेंसी। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपित को कोर्ट से जल्दी जमानत मिल जाने पर अब शिकायतकर्ता जांच अधिकारी (विवेचक) के खिलाफ प्रार्थना पत्र दे रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की, जिससे उन्हें जल्द जमानत मिल गई। बीते एक सप्ताह में इस तरह की तीन शिकायतें सामने आई हैं। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाने के साथ ही आईजीआरएस पर मिले जवाब को भी असंतोषजनक बताया है। वहीं, पुलिस की जांच में कुछ मामलों में आरोपितों को कोर्ट से जमानत मिलने की स्थिति सामने आई है। इसके बाद पुलिस शिकायतकर्ताओं को विवेचना और जमानत की प्रक्रिया समझाने में जुटी है। शिकायतकर्ताओं की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज



करने के बाद आरोपितों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं की, जिससे उन्हें सजा मिल सकी। शिकायतकर्ताओं का मानना है कि आरोपितों को जल्दी जमानत मिलना पुलिस की कार्रवाई में कमी का नतीजा है। इसी आधार पर उन्होंने विवेचक की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पुलिस की जांच में जमानत मिलने की स्थिति साफ होने के बाद शिकायतों की प्रकृति को लेकर लगाया गया है कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज

कहना है कि किसी आरोपित को कोर्ट से जमानत मिल जाना यह साबित नहीं करता कि विवेचक ने कार्रवाई नहीं की। जमानत देने या खारिज करने का फैसला मामले के तथ्यों, उल्लेख्य साक्ष्यों और कानूनी प्रावधानों को देखा जाता है। लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच पुलिस को शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की स्थिति और जमानत के कानूनी पहलुओं की जानकारी देनी पड़ रही है। इससे यह भी साफ हो रहा है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपित की गिरफ्तारी, विवेचना और न्यायालय से जमानत मिलने की प्रक्रिया को लेकर शिकायतकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इन मामलों में शिकायतकर्ताओं ने आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जवाब में उनकी

शिकायत के मूल बिंदुओं पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने दोबारा प्रार्थना पत्र देकर पुलिस की भूमिका की जांच कराने की मांग की। पुलिस के सामने अब शिकायतकर्ताओं को यह स्पष्ट करने की चुनौती है कि मुकदमे में विवेचक की कार्रवाई और न्यायालय से मिली जमानत दो अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। किसी शिकायत में यदि विवेचना के दौरान लापरवाही, साक्ष्य जुटाने में कमी या कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन का ठोस आधार मिलता है तो उसकी जांच कराई जा सकती है। लेकिन केवल जमानत मिलने के आधार पर विवेचक को दोषी नहीं माना जा सकता। कोर्ट से आरोपितों को जल्दी जमानत मिलने के पीछे 7 साल तक की सजा वाले अपराधों में गिरफ्तारी से जुड़े कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन भी एक वजह है।

शिकायत के मूल बिंदुओं पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने दोबारा प्रार्थना पत्र देकर पुलिस की भूमिका की जांच कराने की मांग की। पुलिस के सामने अब शिकायतकर्ताओं को यह स्पष्ट करने की चुनौती है कि मुकदमे में विवेचक की कार्रवाई और न्यायालय से मिली जमानत दो अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। किसी शिकायत में यदि विवेचना के दौरान लापरवाही, साक्ष्य जुटाने में कमी या कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन का ठोस आधार मिलता है तो उसकी जांच कराई जा सकती है। लेकिन केवल जमानत मिलने के आधार पर विवेचक को दोषी नहीं माना जा सकता। कोर्ट से आरोपितों को जल्दी जमानत मिलने के पीछे 7 साल तक की सजा वाले अपराधों में गिरफ्तारी से जुड़े कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन भी एक वजह है।

सैफई महोत्सव नहीं मना पाने का मलाल एआई से पूरा कर रहे सपा मुखिया, राजभार का अखिलेश पर तंज

लखनऊ,एजेंसी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा तंज कसा। राजभर ने अखिलेश यादव पर एआई से बनाए जा रहे वीडियो को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे सैफई महोत्सव नहीं मना पाने का मलाल वह एआई के जरिए पूरा कर रहे हैं। राजभर ने तंज कसते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि अगर अखिलेश यादव को एआई का इतना ही शौक है तो वह अपनी पार्टी का नाम समाजवादी से बदलकर एआई-वादी रख लें। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी जिस विवाधार और सिद्धांतों पर खड़ी हुई थी, उसे एआई वीडियो और सोशल मीडिया की राजनीति तक सीमित कर दिया गया है।

राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी की स्थापना उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने जय प्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, कर्पूरी ठाकुर, चौधरी चरण सिंह और जनेश्वर मिश्रा जैसे नेताओं के सिद्धांतों को आधार बनाकर की थी। उनके मुताबिक, आज उसी पार्टी की राजनीति एआई वीडियो और सोशल मीडिया तक सिमटती दिखाई दे रही है। सुभासपा अध्यक्ष ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसे कभी धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक उत्तराधिकारी कहा जाता

था, वह अब एसी कमरे में बैठकर एआई वीडियो बनाकर खुश हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीति गांव, गरीब और किसान के बीच जाकर तथा जमीन पर पसीना बहाकर होती है, मोबाइल की स्क्रीन पर नाच-गाना करने और एआई रील बनाने से नहीं। राजभर ने यह भी आरोप लगाया कि अखिलेश यादव पिछले करीब 10 वर्षों से सत्ता से बाहर हैं और उन्हें जनता के बीच लगातार जाकर संवाद करना चाहिए था।

राजभर ने कहा कि अगर अखिलेश यादव चाहते तो पिछले वर्षों में प्रदेश के अलग-अलग गांवों में जाकर लोगों से मिल सकते थे और उनकी समस्याएं सुन सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय सोशल मीडिया और एसी कमरों की राजनीति पर ज्यादा ध्यान दिया गया। उन्होंने दावा किया कि अब जब राजनीतिक जमीन खिसक रही है तो जनता के बीच जाने के बजाय एआई के जरिए वीडियो बनाकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोरंजन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उपरे, अजमेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से ई-निविदा सं 42265880 निम्नंक 22.10.2026 को, जिसकी बंद होने की तारीख 17.11.2026 को 14.25 बजे तक रहेगी, आमंत्रित कर रहे है, निविदाकार निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक ही अपनी मूल /संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पाएंगे, मैनुअल (ई-निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरुद्ध मान्य नहीं होंगे, इस तरह के मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
आपूर्ति का विवरण : Supply of Spares for Windscreen Wiper System in Vande Bharat Train Set as per Annexure. मात्रा : 1 Set. निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एवं समय : ई निविदा के 17.11.2026 को 14.25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। वेबसाइट : www.ireps.gov.in 1528-D/26
एन ई **📶📶📶** **NWRRailways** **NWRRailways_पर फौजी बर**

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.वि. इंजी. (टीआरडी एण्ड जेएसयू), उ. परे, जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैनुअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैनुअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।
ई-निविदा संख्या : EL-CHG-JP-02-2026-27 कार्य का नाम व स्थान : JP Dls- Various modification work in LHB AC coaches for preventing deposits of rain water in JP Division for prevention of rodent and water ingress. अनुमानित लागत : ₹7135022.80/- (इकसहत्तर लाख पैंतीस हजार अठारह रुपये अस्सी पैसे मात्र)
बनाना राशी : ₹142700.00 (एक लाख ब्यालीस हजार सत्तौ सौ रुपये मात्र)
ई-निविदा की अंतिम दिनांक और समय : 13.11.2026 समय 15.00 बजे ई-निविदा खोलने की दिनांक और समय : 13.11.2026 समय 15.30 बजे उक्त ई-निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा माण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे-जयपुर के निविदा नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं।
1534-D/26
एन ई **📶📶📶** **NWRRailways** **NWRRailways_पर फौजी बर**

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक (फैरिज व बैगन) उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति महोदय की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिए दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी मैनुअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैनुअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।
ई-निविदा संख्या : EL-CHG-JP-02-2026-27 कार्य का नाम व स्थान : JP Dls- Various modification work in LHB AC coaches for preventing deposits of rain water in JP Division for prevention of rodent and water ingress. अनुमानित लागत : ₹7135022.80/- (इकसहत्तर लाख पैंतीस हजार अठारह रुपये अस्सी पैसे मात्र)
बनाना राशी : ₹142700.00 (एक लाख ब्यालीस हजार सत्तौ सौ रुपये मात्र)
ई-निविदा की अंतिम दिनांक और समय : 13.11.2026 समय 15.00 बजे ई-निविदा खोलने की दिनांक और समय : 13.11.2026 समय 15.30 बजे उक्त ई-निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा माण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे-जयपुर के निविदा नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं।
1534-D/26
एन ई **📶📶📶** **NWRRailways** **NWRRailways_पर फौजी बर**

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना
संख्या: डबल्यू/118/1/निविदा/जय./इन्जी. माण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्य के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है।
निविदा संख्या/कार्य का नाम : इंजी. -जय-2026-27-64R सहायक माण्डल अभियंता /बांदीकुई उपमण्डल- जोन संख्या 04 : बांदीकुई (छोड़कर) से किमी 214/1 तक स्वरक्का, सभी प्रकार के मरम्मत, उद्यान एवं सड़क आदि का कार्य CPWD-DSR के अनुसार आन्धि 01.12.2026 से 30.06.2028 तक।
(एसएसई-डिप्टी/कार्य/बांदीकुई के क्षेत्राधिकार में/जोन संख्या 04) अनुमानित लागत : 21631998.30 बिड प्रतिभूति राशि : 432600.00 1 उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
नोटिस बोर्ड-माण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2 निविदा संख्या इंजी.-जय.-2026-27-64R की बन्द होने की तिथि 12.11.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि 12.11.2026 समय 16.00 बजे।
1535-D/26
एन ई **📶📶📶** **NWRRailways** **NWRRailways_पर फौजी बर**



सोशल मीडिया

ताइवान के राजदूत ने की 'धुरंधर' की तारीफ



भारत में ताइवान के राजदूत मुमिन चैन ने रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ की। शनिवार को दिल्ली में चल रहे ताइवान फिल्म फेस्टिवल में चैन ने कहा कि पिछले साल देखी गई भारतीय फिल्मों में 'धुरंधर' सबसे प्रभावशाली लगी। चैन ने आमिर खान और शाहरुख खान की भी तारीफ की। ताइवान फिल्म फेस्टिवल के जरिए भारतीय दर्शकों को वहां की संस्कृति, तकनीक और सिनेमा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। यह फेस्टिवल 24 और 25 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद 31 अक्टूबर को मुंबई में इसका आयोजन होगा। बता दें कि भारत और ताइवान के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध नहीं हैं, इसलिए चैन आधिकारिक तौर पर नई दिल्ली स्थित ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (TECC) के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं, जो वास्तविक राजदूत के रूप में काम करता है। मुमिन चैन ने कहा, "क्योंकि मैं राजनीतिक विज्ञान का प्रोफेसर हूँ और अभी राजदूत के तौर पर काम कर रहा हूँ। इसलिए मैं भारत में कई राजनीतिक फिल्मों देखता हूँ।" उन्होंने आगे कहा, "पिछले साल

मैंने जो सबसे प्रभावशाली फिल्म देखी, वह 'धुरंधर' थी।" चैन ने आमिर खान की भी तारीफ की: मुमिन चैन ने कहा, "भारतीय अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं की बात करें, तो आमिर खान बहुत प्रभावशाली हैं।" उन्होंने कहा, "मैं उनकी फिल्में तब से देख रहा हूँ, जब वह युवा थे। अब वह फिल्मों में एक्टिंग कम करते हैं। वह निर्माता के तौर पर भारतीय समाज और गंभीर मुद्दों पर बहुत अच्छी फिल्में बनाते हैं।" चैन ने आगे कहा, "शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन जैसे दूसरे बड़े फिल्मी सितारे भी मुझे बहुत पसंद हैं।" चैन ने दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान को अपने पसंदीदा भारतीय अभिनेता बताया। बातचीत के दौरान उन्होंने 'बाहुबली' देखने का भी

जिक्र



बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट के 10वें एडिशन में शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन्स में नेशनल अवॉर्ड विनर सिंगर शिल्पा राव की परफॉर्मेंस अचानक रोक दी गई। शिल्पा का माइक दो बार बंद किया गया। परफॉर्मेंस के दौरान मेन स्टेज की लाइट बंद कर दी गई और उसी समय दूसरे स्टेज पर सिंगर कुटले खान का शो शुरू हो गया। बाद में शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस तरह की घटना से दुख होता है। वहीं, घटना को लेकर आयोजकों ने माफी मांगी।

शिल्पा के अलावा कार्यक्रम में रूप कुमार राठौड़, अनु मलिक, हरिहरन, हिमेश रेशमिया और कई अन्य कलाकारों ने भी परफॉर्म किया।

शिल्पा के अलावा कार्यक्रम में रूप कुमार राठौड़, अनु मलिक, हरिहरन, हिमेश रेशमिया और कई अन्य कलाकारों ने भी परफॉर्म किया।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट में दो स्टेज थे। एक बड़ा मेन स्टेज था और दूसरा छोटा स्टेज उसके बाईं तरफ था।

पहले मेन स्टेज पर कोई सिंगर या ग्रुप परफॉर्म करता था। इसके बाद दूसरे स्टेज पर कलाकार अपनी प्रेजेंटेशन देते थे। उनकी परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद अगले कलाकार मेन स्टेज पर आ जाते थे। कार्यक्रम

तय समय से पीछे चल रहा था। शिल्पा राव की परफॉर्मेंस शाम 7:45 से 8:15 बजे तक होनी थी। वह करीब 8:30 बजे स्टेज पर पहुंचीं। उन्होंने फिल्म 'अनवर' (2007) का गाना 'तोसे नैना लागे' गाकर शो शुरू किया। शुरुआत में परफॉर्मेंस शानदार रही। गाना खत्म होने से पहले ही शिल्पा का माइक अचानक बंद हो गया। उन्होंने बैकस्टेज टीम को इशारा किया। इसके बाद एक क्रू मेंबर तुरंत उनके लिए दूसरा माइक लेकर पहुंचा।

शिल्पा ने दर्शकों से कहा, "मुझे माइक की जरूरत नहीं है। आप लोग मेरी आवाज हैं।"

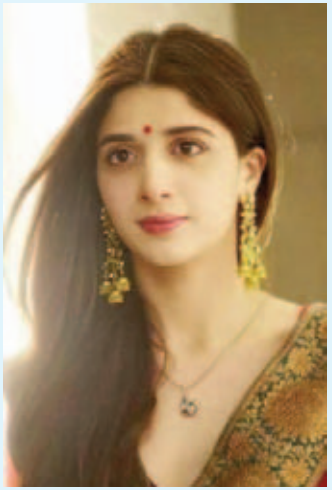
उन्होंने बताया कि उनकी मां भी कार्यक्रम में मौजूद हैं और उनका जन्मदिन है। इसके बाद दर्शकों ने 'हैप्पी बर्थडे टू यू' गाना गाया।

शिल्पा ने इसके बाद 'तेरे हवाले' गाया। उन्होंने फिल्म 'कलंक' का टाइटल ट्रैक, 'खुदा जाने' और 'वो अजनबी' भी परफॉर्म किया।

'सैयारा' (2025) के गाने 'बर्बाद' के लिए द रिश भी शिल्पा के साथ स्टेज पर पहुंचे। इसके बाद शिल्पा ने फिल्म 'देवरा' (2024) का गाना 'छुट्टमल्ले' गाया।

कुटले खान का शो शुरू होते ही मेन स्टेज बंद: 'छुट्टमल्ले' खत्म करने के बाद शिल्पा अगले गाने की तैयारी कर रही थीं। तभी मेन स्टेज की लाइट बंद हो गई। इसी समय शिल्पा का माइक भी बंद कर दिया गया। ठीक उसी वक्त दूसरे स्टेज की लाइट जल उठी और कुटले खान ने परफॉर्म करना शुरू कर दिया। दर्शकों को कुछ सेकंड बाद समझ आया कि क्या हुआ है। शिल्पा की परफॉर्मेंस अचानक खत्म कर दी गई थी। मेन स्टेज अंधेरे में था। फिर भी साफ दिख रहा था कि शिल्पा इस घटना से हैरान थीं।

'सनम तेरी कसम' फेम मावरा होकेन बनीं मां



बॉलीवुड फिल्म 'सनम तेरी कसम' से भारतीय दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुई पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन के घर खुशियों ने दस्तक दी है। अभिनेत्री और उनके पति अमीर गिलानी ने अपने पहले बच्चे के रूप में बेटे का स्वागत किया है। इस खुशखबरी को दंपती ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा किया। साथ ही, उन्होंने अपने बेटे के नाम का भी खुलासा किया है।

मावरा और अमीर ने अपने बेटे का नाम सैयद अजमर हुसैन कमाल गिलानी रखा है। अमीर ने सोशल मीडिया पर साझा किया। साथ ही, उन्होंने अपने बेटे को परिवार का गर्व और सबसे अनमोल खजाना बताते हुए खुशी जाहिर की। इस घोषणा के बाद प्रशंसकों और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों ने दंपती को बधाइयां और शुभकामनाएं दीं।

सारा गुरपाल को मिल रही धमकियां

पंजाबी अभिनेत्री और गायिका सारा गुरपाल ने रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' से बाहर होने के बाद सोशल मीडिया पर मिल रही धमकियों को लेकर गंभीर खुलासा किया है। सारा का आरोप है कि कुछ लोग उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने तथा दुष्कर्म की धमकियां दे रहे हैं। इसके अलावा, उनके शरीर को लेकर भी अश्लील और अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं।

सारा गुरपाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इस मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि किसी की राय से सहमत या असहमत होना अलग बात है, लेकिन इसके नाम पर किसी को धमकाना और उसके परिवार को निशाना बनाना बिल्कुल गलत है। उन्होंने सोशल मीडिया पर की जा रही अभद्र टिप्पणियों को शर्मनाक बताते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ट्रोलर्स को दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी: सारा ने स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ किसी को गाली देने, डराने या अपमानित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने धमकी देने वालों को जवाबदेह

ठहराने की बात कही और अपने पोस्ट में साइबर क्राइम सेल इंडिया को भी टैग किया।

अभिनेत्री ने चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सारा गुरपाल इससे पहले 'बिग बॉस 14' में भी नजर आ चुकी हैं। 'राइज एंड फॉल 2' से उनके बाहर होने के बाद सामने आए इस मामले ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर कलाकारों के साथ होने वाले साइबर उल्पीड़न और ऑनलाइन धमकियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, इस मामले में किसी आधिकारिक कार्रवाई की पुष्टि सामने नहीं आई है।

परिवार को भी बनाया जा रहा निशाना, सिंगर ने साइबर क्राइम सेल को किया टैग, सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

जयपुर में छाई 'गुलाबी क्वीन' जैस्मीन सैंडलास



पंजाबी संगीत की दुनिया में 'गुलाबी क्वीन' के नाम से मशहूर सिंगर जैस्मीन सैंडलास ने जयपुर में अपनी लाइव परफॉर्मेंस से समां बांध दिया। सिंगर ने फिल्म 'किक' का सॉन्ग 'यार ना मिले', 'इश्क दा सूटा', 'रात जश्न दी', 'बंब जट्ट', 'मीठी मीठी', 'तरस', 'धुरंधर' टाइटल ट्रैक और 'शरारत' जैसे सॉन्ग सुनाए। वहीं कॉन्सर्ट के दौरान ऑडियंस में मौजूद जैस्मीन की मां बेटी को मंच पर परफॉर्म करते देख खुद को थिरकने से रोक नहीं सकीं।

जयपुर में प्रस्तुति के दौरान जैस्मीन ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान से भी जुड़ाव दिखाया। उन्होंने पारंपरिक राजस्थानी लोकगीत 'कैसरिया बालम' को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। वहीं पारंपरिक अंदाज वाले बंधेज ड्रेस में सजी जैस्मीन ने अपने लुक और स्टेज प्रेजेंस से भी ध्यान खींचा। सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित कॉन्सर्ट में जैस्मीन ने शनिवार को अपने सुपरहिट गानों के साथ एल्बम के गीत भी पेश किए। उनकी गाने और डांस से दर्शक शुरू से लेकर आखिरी पलों तक झूमते रहे। जैसे-जैसे उनके लोकप्रिय गानों की धुनें गुंजती गईं। ऑडियंस भी तालियों, हूटिंग और डांस के साथ उनका उत्साह बढ़ाती नजर आईं।

● बंधेज परिधान में मंच पर दिखा पंजाबी अंदाज जैस्मीन की परफॉर्मेंस में उनके पहनावे और मंच पर मौजूदगी का भी खास आकर्षण रहा। बंधेज परिधान में नजर आई सिंगर ने अपने लुक को पंजाबी संगीत की ऊर्जा और अंदाज के साथ पेश किया। गानों के दौरान उनका लगातार डांस करना और दर्शकों को अपने साथ झुमने के लिए प्रेरित करना कॉन्सर्ट की खासियत रहा। जैस्मीन ने अपने लोकप्रिय गीतों को पूरे उत्साह के साथ प्रस्तुत किया।

● फैन ने भेंट किया लाइव स्केच, जैस्मीन ने लगाया गले कॉन्सर्ट के दौरान जैस्मीन के एक फैन ने उन्हें खास तोहफा दिया। एक फैन ने उनका लाइव स्केच तैयार कर उन्हें भेंट किया। इस कलाकृति को देखकर जैस्मीन ने जिस तरह प्रतिक्रिया दी। वह कार्यक्रम के यादगार पलों में शामिल हो गया। उन्होंने स्केच को गले लगाया और उसमें गाड़ी चलाते हुए नजर आ रहे व्यक्ति को 'चौधरी जी' कहकर संबोधित किया। कॉन्सर्ट के दौरान दर्शकों की पसंद भी साफ तौर पर सामने आई। ऑडियंस की ओर से 'धुरंधर' के गाने की सबसे ज्यादा डिमांड की गई।



एक नज़र

अभिषेक शर्मा ने सूर्यकुमार यादव के वलब में मारी एंड्री, ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बैटर बने

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अभिषेक शर्मा ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव के क्लब में एंड्री मारी है। वे टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर इयर में 1,000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। शनिवार, 24 अक्टूबर को खेले गए इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने रिकॉर्ड बुक के पन्ना तब पलट जब उन्होंने 15 रन बनाकर साल 2026 के कैलेंडर इयर में टी–20 में 1,000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय के रूप में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अभिषेक को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 1,000 रन के वलब में शामिल होने के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने सिर्फ सात गेंदों में ये 15 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव एक कैलेंडर साल में 1,000 से ज्यादा टी20 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने साल 2022 में ये कारनामा किया था। उनसे पहले किसी भी भारतीय ने ऐसा नहीं किया था और चार साल तक भी यह रिकॉर्ड कोई अन्य भारतीय बल्लेबाज नहीं दोहरा सका था। एशियन गेम्स के 2026 एडिशन के दौरान ईशान किशन इस एलीट क्लब में शामिल हुए। सूर्या ने 2022 में 31 टी20 खेले और 1,164 रन बनाए, जबकि ईशान ने इस साल 35 मैचों में 1,159 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने इस साल 36 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 1,000 के आकड़े को छुआ है। पूरी दुनिया की बात की जाए कि टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर इयर में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं तो यह वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑस्ट्रेिया के बल्लेबाज करणबीर सिंह के नाम है। करणबीर ने 2025 में 32 टी20 खेले थे और रिकॉर्ड 1,488 रन बना दिए थे। उनसे ज्यादा रन किसी भी बैटर ने एक कैलेंडर इयर में क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में नहीं बनाए हैं। उनके बाद पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान हैं, जिन्होंने 2021 कैलेंडर साल में 29 मैचों में 1,326 रन बनाए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टी–20टी मुकाबले में अभिषेक शर्मा का बल्ला ज्यादा देर नहीं चला। उन्होंने 21 गेंदों में 27 रन तीन चौकों और 1 छक्के की मदद से बनाए। एक कैलेंडर इयर में 1000 से अधिक टी-20 रन बनाने वाले भारतीय बैटर, सूर्यकुमार यादव 31 मैचों में 1164 रन साल 2022, ईशान किशन 35 मैचों में 1159 रन साल 2026, अभिषेक शर्मा 36 मैचों में 1000 से अधिक रन साल 2026

दोहरा शतक लगाने वाले हैरी ब्लूक अगले ही मैच में पलॉप, लालच के चक्कर में हुए रन आउट

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्लूक ने श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी सीरीज के तीसरे मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था लेकिन रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं सके। ब्लूक रन आउट होकर पवेलियन लौटे। दो रन चुराने के प्रयास में वह अपना विकेट गंवा बैठे। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले जा रहे चौथे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है और ये फैसला शुरुआती ओवरों तक सही भी साबित हुआ है। इंग्लैंड को टॉप ऑर्डर पवेलियन लौट गया है। हैरी ब्लूक रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में तीसरे ओवर में जो रूट के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे। इसके बाद शाहीन अफरीदी के ओवर में दो रन चुराने के प्रयास में वह रन आउट हो गए। उन्होंने 5वें ओवर की अंतिम गेंद पर दो रन लेने की कोशिश की लेकिन वह समय पर क्रीज के अंदर नहीं पहुंच सके। रिस्ले में दिखा कि दूसरे रन के लिए लौटते समय वह फिसल गए थे। हालांकि जब वह आउट हुए तो क्रीज से करीब एक फुट दूर थे। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्लूक ने सात गेंद में एक रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में टॉम बैटन का विकेट गंवाया। वह 5 गेंद में 4 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। जो रूट सात गेंद में पांच रन ही बना पाए। उन्हें भी अफरीदी ने आउट किया। हैरी ब्लूक रन आउट हुए, जबकि जॉर्डन काव्स को हारिस राउफ ने पवेलियन भेजा। हैरी ब्लूक ने महज 114 गेंदों में 200 रन पूरे कर पुरुष वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। वह इस प्रारूप में दोहरा शतक जड़ने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बने थे। ब्लूक ने अपनी पारी में 21 चौके और 10 छक्के लगाए। उन्होंने चौका जड़कर 75 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 150 रन का आंकड़ा पार किया।

पाकिस्तान का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में रविवार को और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने मिलकर इतिहास रच दिया। इन दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 153 रनों की साझेदारी की। पांचवें या उससे नीचे के के विकेट के लिए भारतीय महिला वनडे में इतनी बड़ी साझेदारी पहली बार हुई है। पहली बार 150 से अधिक की साझेदारी पांचवें या उससे नीचे के विकेट के लिए भारतीय महिला वनडे क्रिकेट में हुई है। इससे पहले पांचवें या उससे

नीचे के विकेट के लिए भारतीय महिला टीम द्वारा की गई सबसे बड़ी साझेदारी 122 रनों की थी जो साल 2022 में स्नेहा राणा और क पूजा वरुनाकर ने पाकिस्तान के खिलाफ की थी। अब उस 122 रनों की साझेदारी के रिकॉर्ड को दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर ने पीछे छोड़ दिया है। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम कोटंबी में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, उनका यह फैसला शुरुआत में गलत साबित होता हुआ दिखा जब 19 रनों के

निको के विकेट के लिए भारतीय महिला टीम द्वारा की गई सबसे बड़ी साझेदारी 122 रनों की थी जो साल 2022 में स्नेहा राणा और पूजा वरुनाकर ने पाकिस्तान के खिलाफ की थी। अब उस 122 रनों की साझेदारी के रिकॉर्ड को दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर ने पीछे छोड़ दिया है। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम कोटंबी में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, उनका यह फैसला शुरुआत में गलत साबित होता हुआ दिखा जब 19 रनों के

स्कोर पर दो बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। उसके बाद बल्लेबाजी करने आई साझेदारी 122 रनों की थी जो साल 2022 में स्नेहा राणा और पूजा वरुनाकर ने पाकिस्तान के खिलाफ की थी। अब उस 122 रनों की साझेदारी के रिकॉर्ड को दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर ने पीछे छोड़ दिया है। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम कोटंबी में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, उनका यह फैसला शुरुआत में गलत साबित होता हुआ दिखा जब 19 रनों के

मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

साझेदारी हुई। हरमनप्रीत कौर ने इस साझेदारी में 60 रन बनाए जबकि दीप्ति शर्मा ने 92 रन जोड़े। मुकाबले में पूर्व कप्तान कौर ने आउट होने से पहले 126 (121) रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 15 चौके लगाए और 104 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। दीप्ति शर्मा ने भी इस मुकाबले में शतक जड़ा। वे 86 गेंदों में 106 रन बनाकर नाबाद रहीं। दीप्ति के लिए वनडे क्रिकेट में यह दूसरा शतक था, जबकि हरमनप्रीत कौर ने अपने वनडे करियर का 8वां शतक जड़ा। अपनी इस शतकीय पारी के साथ दीप्ति शर्मा

ने एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बाएं हाथ की यह बल्लेबाज भारत के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली पांचवीं बैटर बन गई हैं। टॉप-3 में स्मृति मंधाना का नाम है। मंधाना ने 50, 70, और 77 गेंदों में वनडे क्रिकेट में शतक लगाया है और टॉप–3 में अपना दबदबा बरकरार रखा है। हरमनप्रीत कौर ने साल 2025 में 82 गेंदों में शतक पूरा करके लिस्ट में चौथे स्थान पर अपना नाम दर्ज कराया था। आज दीप्ति शर्मा ने 83 गेंदों में शतक पूरा किया है और लिस्ट में पांचवें स्थान पर आ गई हैं।

मिचेल स्टाक टॉप 10 में आगे बढ़े, टिम साउदी के बाद वकार निशाने पर; सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले पेसर

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने गकेबरहा में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में तीन विकेट चटकाए। उन्होंने 24.1 ओवर में 89 खवं करने करने के बाद मैथ्यु ब्रीटजके (4), वियान मुल्डर (13) और तेम्बा बाबुमा (179) को आउट किया। 36 वर्षीय स्टार्क ने तीन शिकार करते ही इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की टॉप 10 लिस्ट में साउदी को पीछे छोड़ दिया है। वह सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। स्टार्क के खाते में फिलहाल 777 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व पेसर साउदी ने 394 इंटरनेशनल मैचों में 776 विकेट हासिल किए थे। स्टार्क गकेबरहा में अपना 306वां इंटरनेशनल और टेस्ट करियर का 109वां मैच खेल रहे हैं। उन्होंने टेस्ट में 450 विकेट कंप्लीट कर लिए हैं। साउदी के बाद लिस्ट में अब स्टार्क के निशाने पर वकार यूनि्स हैं। पाकिस्तान के पूर्व धाकड़ तेज गेंदबाज वकार ने 349 मैचों में 789 शिकार किए। स्टार्क को वकार से आगे निकालने के लिए सिर्फ 13 विकेट की जरूरत है। बतौर पेसर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने का रिकॉर्ड जेम्स एंडरसन के नाम दर्ज है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज गेंदबाज एंडरसन ने 401

मुकाबलों में 991 शिकार किए। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा हैं, जिन्होंने 376 इंटरनेशनल मुकाबलों में 949 विकेट अपने नाम किए। पाकिस्तान के पूर्व खतरनाक पेसर वसीम अकरम ने 460 मैचों में 916 शिकार किए। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रांड चौथे पायदान पर हैं। उन्होंने 344 मुकाबलों में 847 शिकार किए। टॉप 10 लिस्ट में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के दो–दो जबकि साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज का एक–एक प्लेयर शामिल है। इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 10 पेसर 991 – जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड) 949 – ग्लेन मैकग्रा (ऑस्ट्रेलिया) 916 – वसीम अकरम (पाकिस्तान) 847 – स्टुअर्ट ब्रांड (इंग्लैंड) 829 – शॉन पोलक (साउथ अफ्रीका) 789 – वकार यूनि्स (पाकिस्तान) 777 – मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया) 776 – टिम साउदी (न्यूजीलैंड) 761 – चर्मिंडा वास (श्रीलंका) 746 – कोर्टनी वॉल्श (वेस्टइंडीज) टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज 800 – मथैया मुस्लीखरन (श्रीलंका) 708 – शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) 704 – जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड) 619 – अनिल कुंबले (भारत) 604 – स्टुअर्ट ब्रांड (इंग्लैंड) 573

कप्तानी छोड़ी, इमोशनल होकर माइक फेंका; फिर आई बड़ी पारी, शतक जड़ने के बाद क्या बोलीं हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली,एजेंसी। 2026 का अक्टूबर महीना भारतीय महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा रहा। एशिया कप और एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद 6 अक्टूबर को हरमनप्रीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखते हुए भारतीय महिला टीम के सभी फॉर्मेटों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने के बाद उसी रात BCCI ने स्मृति मंधाना को कप्तान नियुक्त किया। स्मृति मंधाना के कप्तान बनने के बाद भारतीय महिला टीम पहली बार जिम्बाब्वे के खिलाफ मैदान पर उतरी जहां उसे तीन टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच और तीन वनडे मैच खेलने हैं।

टी–20 सीरीज समाप्त हो चुकी है। पहला वनडे मैच भी खेला जा चुका है और दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच दूसरे वनडे मैच में पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक जड़ा है। भारतीय टीम को कप्तानी छोड़ने के बाद किसी भी फॉर्मेट में यह उनका पहला शतक है। उन्होंने रविवार को खेले गए मुकाबले में 121 गेंदों का सामना करते हुए 126 रनों की पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। अपनी इस शानदार पारी के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि अब वे सिर्फ इंजॉय करने के लिए क्रिकेट खेल रही हैं और अपनी इस पारी से

बहुत खुश हैं। उन्होंने विकेट और परिस्थितियों के बारे में बात करते हुए कहा कि कंडीशन आसान नहीं थीं। आजकल हम बहुत सारे नाइट गेम्स खेलते हैं। लंबे समय तक धूप में खेलना बैटिंग के लिए मुश्किल होता है। दो विकेट गंवाने के बाद प्रतिका और मेरी बहुत अच्छी फॉर्मनरशिप हुई और फिर दीप्ति ने पिच पर कमाल का प्रदर्शन किया। दीप्ति ने अंदर जाकर बाउंड्री मारना शुरु किया जिसकी वजह से मेरा काम रिफ सिगल निकालना रह गया। मैंने दीप्ति को स्ट्राइक देना प्रेफर किया। जब कोई बस अंदर आकर बाउंड्री मार रहा हो, तो आपका काम सिगल लेना और स्ट्राइक देते रहना होता

है। उन्होंने आगे कहा यह देखकर अच्छा लगा कि वह जिम्मेदारी ले रही थी और उसे दूसरे एंड से देखना अच्छा लगा। यह असली विकेट नहीं था। शुरु में थोड़ी होल्ड कर रही थी। आइडिया था कि बैटिंग करते रहो और अपना शोप बनाए रखो। आज हमें इसी का रिजल्ट मिला। मैं बस फील्ड पर एन्जॉय करना चाहती हूं। जरूरी है बैटिंग करते रहना और एन्जॉय करते रहना। अच्छी बात यह है कि मैं बॉल को अच्छी तरह हिट कर रही हूं। शुरु में वे अच्छी बॉलिंग कर रहे थे, अच्छे एरिया में हिट कर रहे थे। प्रतिका और मेरे बीच अच्छी बातचीत हुई कि हमें अपनी इनिंग्स बनानी हैं।

सैंटनर ने अभिषेक-श्रेयस, तिलक और नमन को आउट करके किया बड़ा कारनामा, 19 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली,एजेंसी। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारत को दूसरे टी20 मैच में अपने स्पिन के जाल में फंसा लिया था लेकिन तिलक वर्मा के आखिरी ओवरों में तूफानी पारी की बदौलत भारत ने 4 विकेट से मैच अपने नाम किया। सैंटनर ने भारत के 4 बल्लेबाजों को आउट करके न्यूजीलैंड को जीत के रास्ते पर लगभग पहुंचा दिया था लेकिन तिलक और नीतीश रेड्डी ने अंतिम ओवर तक चले मुकाबले में बेहतरीन साझेदारी करके जीत भारत की झोली में डाली। इस दौरान सैंटनर ने डेनियल विटोरी के 19 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की। भारत ने लगातार दूसरा मैच जीतकर सीरीज में 2–0 की बढ़त बना ली। मिचेल सैंटनर भारत के खिलाफ चार विकेट हॉल लेने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे कप्तान बन गए हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी ने ये कारनामा किया था। उन्होंने बतौर कप्तान 2007 में भारत के चार बल्लेबाजों को आउट किया था। टी20 विश्व कप 2007 में भारत के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 20 रन देकर चार विकेट लिए थे। भारत के खिलाफ चार विकेट लेने वाले अन्य कप्तान में वेस्टइंडीज के डेरेन सैमी और नामिबिया के गेरहार्ड एरासमस का नाम है। सैमी ने 2011 में 16 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं गेरहार्ड ने 2026 में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। टी20 इंटरनेशनल मैचों में भारत के खिलाफ मिचेल सैंटनर के नाम 29 विकेट दर्ज हैं। भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में उनसे आगे केवल ईश सोदी हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने शनिवार को भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 4 ओवर में 21 रन दे कर चार विकेट लिए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपना पहला शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर को भी पवेलियन भेजा। इसी ओवर में उन्होंने अक्षर पटेल को भी आउट किया।

शाहीन अफरीदी ने 150 वनडे विकेट लेकर पाकिस्तान के लिए रचा इतिहास, शोएब अख्तर-यूनिस रह गए पीछे

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने चार विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह पाकिस्तान के लिए वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच ट्वेंटी सीरीज का चौथा मुकाबला लाहौर में खेला जा रहा है, जहां शाहीन अफरीदी की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण इंग्लैंड की टीम 46.4 ओवर में 241 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने शतक लगाया। शाहीन अफरीदी ने रविवार को पाकिस्तान के लिए खेलेते हुए वनडे में 150 विकेट पूरे किए। उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैटन को आउट करके ये उपलब्धि हासिल की। वह पाकिस्तान के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। जबकि ये कारनामा करने वाले सबसे तेज

गेंदबाज हैं। शाहीन अफरीदी ने अपने 80वें मैच में 150वां विकेट हासिल किया। जबकि पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने 78 मैचों में ये कमाल कर दिया था। हालांकि शाहीन ने पाकिस्तान के दिग्गज वकार यूनि्स और शोएब अख्तर को पीछे छोड़ा दिया है। दोनों ही दिग्गजों को 150 विकेट तक पहुंचने के लिए 91 मैच लगे थे। शाहीन अफरीदी वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले दुनिया के संयुक्त रूप से चौथे तेज गेंदबाज बन गए हैं। नेपाल के सदीप लामिछाने ने 74 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 77 और मुश्ताक ने 78 मैचों में 150 विकेट पूरे किए थे। शाहीन चौथे स्थान पर मोहम्मद शमी और राशिद खान के साथ मौजूद हैं। इन दोनों गेंदबाजों ने वनडे में 150 विकेट लेने के लिए 80 मैच खेले थे। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लाहौर में मुकाबला हो रहा।

परविंदर अवाना बने बीसीसीआई जूनियर चयन समिति के चेयरमैन, तीन अन्य सदस्यों की भी नियुक्ति

नई दिल्ली,एजेंसी। बीसीसीआई ने शुक्रवार, 23 अक्टूबर को जूनियर पुरुष चयन समिति के चेयरमैन का ऐलान कर दिया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को यह जिम्मेदारी दी गई है। बीसीसीआई की क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने अवाना को जूनियर चयन समिति का चेयरपर्सन नियुक्त करने के साथ–साथ तीन अन्य सदस्यों की भी नियुक्ति की सिफारिशें की, जिन पर मुहर लग गई। ये तीन सदस्य कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन. अर्जुन यादव हैं। इस तरह जूनियर चयन समिति के चार सदस्यों की नियुक्ति हो चुकी है और चेयरपर्सन भी घोषित किया जा चुका है। इस समिति में कुल पांच सदस्य होते हैं। बीसीसीआई ने बताया है कि बचे हुए एक पद पर जल्द ही नियुक्ति जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को जारी अपनी प्रेस रिलीज में बताया कि क्रिकेट



एडवाइजरी कमेटी (CAC) ने जूनियर क्रिकेट कमेटी के मेंबर्स के अपॉइंटमेंट के लिए एक सिलेक्शन प्रोसेस किया। CAC ने एनिकेटेंस को स्क्रीन किया और उनका इंटरव्यू लिया और प्रोसेस के बाद परविंदर अवाना को चेयरमैन के तौर पर नियुक्त किया गया। साथ ही कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन. अर्जुन यादव को कमेटी के मेंबर्स के तौर पर अपॉइंट करने की सिफारिश

की गई। अवाना भारतीय क्रिकेट टीम में बतौर तेज गेंदबाज हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने इंडिया के लिए दो T20 खेले और 62 फर्स्ट–क्लास मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने 191 विकेट लिए। इस पूर्व फास्ट बॉलर ने दिल्ली, इंडिया A और रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए खेला। इसके अलावा उन्होंने किंग्स XI पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए IPL में भी खेला। रिटायरमेंट के बाद वह कोचिंग में चले गए और दिल्ली की 16, 19 और 23 टीमों के साथ–साथ इंडिया 19 और अलग–अलग BCCI/COE हाई–परफॉर्मेंस प्रोग्राम के साथ काम किया। अन्य तीन नियुक्त किए गए सदस्यों की बात करें तो असम और गोवा के पूर्व तेज गेंदबाज कृष्णा दास ने 49 फर्स्ट–क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 166 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने इंडिया 19 और इंडिया को रिप्रेजेंट किया और बाद में इंडिया 19 बॉलिंग कोच और

उत्तराखंड रणजी ट्रॉफी टीम के बॉलिंग कोच के तौर पर काम किया। दूसरे सदस्य राकेश पटेल की बात करें तो वे गुजरात से ताल्लुक रखते हैं। पटेल ने गुजरात और बड़ौदा को रिप्रेजेंट किया और इंडिया A के लिए खेला, इसके अलावा उन्होंने दलीप ट्रॉफी, देवधर ट्रॉफी और इरानी ट्रॉफी में भी हिस्सा लिया। उन्होंने बड़ौदा और गुजरात के साथ 19, 23 और सीनियर टीमों में कोच के तौर पर काम किया, और 2025–26 सीजन में बड़ौदा 23 टीम के हेड कोच थे। वहीं, एन. अर्जुन यादव ने इंडिया A को रिप्रेजेंट किया और अपने करियर में 83 फर्स्ट–क्लास मैच खेले। वह 2000 में इंडिया की 19 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। हैदराबाद के साथ खेलने के बाद उन्होंने कोचिंग शुरू की, हैदराबाद सीनियर और 23 टीमों के हेड कोच के तौर पर काम किया।